बी० ए० II
समाज शास्त्र

PAGE NO.
DATE: 2/2/2022

पर्यावरण प्रदूषण का वर्गीकरण —

पर्यावरण प्रदूषण की व्यापकता के कारण इसका वर्गीकरण करना कठिन कार्य है। इसका वर्गीकरण विभिन्न दृष्टिकोण से किया जाता है। प्रमुख प्रदूषणों को निम्न भागों में वर्गीकृत किया जा सकता है —

(1) वायु प्रदूषण
(2) जल प्रदूषण
(3) ध्वनि प्रदूषण
(4) मृदा प्रदूषण

(1) वायु प्रदूषण का अर्थ — वायु की दूषित होने की प्रक्रिया या वायुमण्डल में हानिकारक तत्वों की मात्रा का बढ़ना वायु प्रदूषण कहलाता है।

वायु प्रदूषण के स्रोत —

वायु प्रदूषण के दो मुख्य स्रोत हैं
① प्राकृतिक स्रोत
② मानव जनित स्रोत

(2) जल प्रदूषण — शुद्ध जल मानव की एक आधारभूत आवश्यकता है। मानव जीवन

के क्रियाकलापो जल के द्वारा ही सम्पन्न होते है। अन्य जीव जन्तु व वनस्पति भी पोषक तत्व जल के माध्यम से ही प्राप्त करते है।

जल प्रदूषण के स्रोत — जल प्रदूषण के प्रमुख स्रोत निम्नलिखित है। (1) औद्योगिक अपशिष्ट

(2) कृषि अपशिष्ट (3) अनुपचारित मल-जल

(4) अन्य प्रदूषण कारक

कृषि क्षेत्र में रासायनिक अर्वकों कीटनाशी व कृत्रिम रसायनो आदि से जल प्रदूषण होताहै।

जनसंख्या वृद्धि के साथ साथ उत्सर्जित व्यर्थ जल की मात्रा बढ़ रही है मल जल की मात्रा में वृद्धि हो रही है

अन्य प्रदूषक कारक — (1) जलसमूह द्वारा स्रोतों में सामूहिक स्नान द्वारा जल प्रदूषित होताहै

(2) अधजले शवो को नदी में प्रवाहित करने, मृत-जीवजन्तु को जलमें छोड़नेसे जल प्रदूषित होताहै।

ध्वनि प्रदूषण — (Noise Pollution)

ध्वनि प्रदूषण की एक प्रमुख समस्या है। इसमें विश्व के विकसीत एंव अल्प विकसीत सभी राष्ट्र प्रभावित है।

ध्वनि प्रदूषण के स्रोत – वातावरण में ध्वनि प्रदूषण के मुख्य स्रोत है।

① प्राकृतिक स्रोत ② मानव जनित स्रोत-

① प्राकृतिक स्रोत – प्राकृतिक स्रोत में ध्वनिप्रदूषण बादलो की गर्जना, बिजली का कौंधना, ऊंचे स्थान से गिरते हुए जल, ज्वालामुखी भूकम्प तथा अन्य क्रियाओ से होता है

② मानव जनित स्रोत — मानव जनित कलकारखानो से होनेवाला शोर, यातायात से होने वाला शोर, मनोरंजन के साधन अन्य, आदि

④ मृदा प्रदूषण — मिट्टी में विभिन्न प्रकार के खनिज तत्व लवण कार्बनिक पदार्थ गैस जल के निश्चित अनुपात में पाये जाते हैं विभिन्न प्रकार के पदार्थो के अनुपात में परिवर्तन होने लगता है

मृदा प्रदूषण के स्रोत — मृदा प्रदूषण के अनेककारण है जो इसप्रकार है—

① जीवजन्तु के मलमूत्र मृदा प्रदूषण केकारण माने जाते हैं मानव कुत्ते बिल्ली भैंस आदि

② घरेलू व्यर्थ पदार्थों से मिट्टी प्रदूषण उत्पन्न होती है। घरो से बडी मात्रा में ठोस कूडा करकट निकलता है।

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बाजेया